JOB VACANCY

बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (IBPS)

सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर, असिस्टेंट और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट

अंतिम तिथि - 12 नवंबर 2026

पद विवरण

आईबीपीएस ने अलग-अलग पदों के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता और कार्य-अनुभव निर्धारित किया है।

सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर साइंस या सूचना प्रौद्योगिकी (IT) में बीई/बीटेक डिग्री के साथ संबंधित क्षेत्र में कम से कम 3 साल का कार्य अनुभव अनिवार्य है।

असिस्टेंट- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60% अंकों के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री। इसके साथ एडवांस्ड एमएस एक्सेल का ज्ञान तथा एमआईएस रिपोर्टिंग या डाटा संबंधित कार्य में 2 वर्ष का अनुभव जरूरी है।

प्रोग्रामिंग असिस्टेंट - कंप्यूटर साइंस या आईटी में बीसीए (BCA), बीएससी (B.Sc) अथवा संबंधित इंजीनियरिंग डिग्री और 2 वर्ष का अनुभव।

आयु सीमा

आयु सीमा (1 अक्टूबर 2026 के अनुसार)- सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर पद के लिए आयु 25 से 33 वर्ष तथा असिस्टेंट व प्रोग्रामिंग असिस्टेंट के लिए 23 से 30 वर्ष तय की गई है। आरक्षित वर्गों को ऊपरी आयु सीमा में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

आवेदन शुल्क- सभी अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 250 रुपये निर्धारित किया गया है, जिसका भुगतान ऑनलाइन मोड में करना होगा।

वेतन पैकेज- चयनित उम्मीदवारों को बेहद आकर्षक सैलरी पैकेज दिया जाएगा। सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर पद का वार्षिक सीटीसी (CTC) लगभग 14.09 लाख रुपये है, जबकि असिस्टेंट और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट पदों के लिए वार्षिक सीटीसी लगभग 10.57 लाख रुपये निर्धारित है।

चयन प्रक्रिया

उम्मीदवारों का चयन आवेदन पत्रों की स्क्रूटनी, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (DV), ऑनलाइन लिखित परीक्षा और पर्सनल इंटरव्यू के आधार पर होगा। परीक्षा का आयोजन नवंबर 2026 में संभावित है।

आवेदन कैसे करें?

आधिकारिक वेबसाइट ibps.in पर जाएं।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL)

350 प्रोबेशनरी इंजीनियर

अंतिम तिथि - 18 नवंबर 2026

पद विवरण

इस भर्ती के तहत कुल 350 पद भरे जाएंगे। पदों का विवरण इस प्रकार है-

प्रोबेशनरी इंजीनियर (इलेक्ट्रॉनिक्स)- 200 पद

प्रोबेशनरी इंजीनियर (मैकेनिकल)-150 पद

कुल पद- 350

शैक्षणिक योग्यता

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास इलेक्ट्रॉनिक्स या मैकेनिकल सब्जेक्ट में बीई (B.E.), बीटेक (B.Tech.) या चार वर्षीय बीएससी इंजीनियरिंग (B.Sc. Engineering) की डिग्री होनी चाहिए।

आयु सीमा

अनारक्षित (General/UR) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 1 अक्टूबर 2026 तक 25 वर्ष होनी चाहिए। अन्य पात्र श्रेणियों को भर्ती के नियमों के अनुसार आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

कैसे होगा चयन?

उम्मीदवारों का चयन कंप्यूटर आधारित परीक्षा और इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में CBT के लिए 85 अंक और इंटरव्यू के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।

यहां मिल सकती है नौकरी

इस भर्ती के तहत चयनित उम्मीदवारों को बेंगलुरु, गाजियाबाद, पुणे, नागपुर, नवी मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई सहित देश में BEL की अलग-अलग यूनिटों और कार्यालयों में नियुक्त किया जा सकता है। ऐसे में उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वो आवेदन के अंतिम तारीख का इंतजार ना करें, बल्कि तय समय से पहले ही आवेदन कर लें।

ऐसे आवेदन करें

उम्मीदवार नीचे दिए गए चरणों का पालन करके ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

1. उम्मीदवार सबसे पहले BEL की आधिकारिक वेबसाइट bel-india.in पर जाएं।
2. यहां होम पेज पर भर्ती से संबंधित नोटिफिकेशन खोजें। इसका विज्ञापन संख्या 17556/HR/All-India/2026 है।
3. इसके बाद ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी करें।
4. आवेदन फॉर्म में मांगी गई जानकारी भरें और साथ ही जरूरी दस्तावेज अपलोड करें।
5. अपनी श्रेणी के अनुसार आवेदन शुल्क का भुगतान करें।
6. इसके बाद फॉर्म में भरी गई सभी जानकारियों को अच्छी तरीके से जांत कर लें। फिर सबमिट कर दें।
7. भविष्य में जरूरत के लिए आवेदन फॉर्म की कॉपी सुरक्षित रख लें।

NLC इंडिया लिमिटेड

1067 अप्रेंटिस

पदों का विवरण

फिटर - 125, टर्नर - 45, मैकेनिक (मोटर व्हीकल)- 110, इलेक्ट्रीशियन - 125, वायरमैन - 110, मैकेनिक (डीजल)- 5, स्टेनोग्राफर - 20, वेल्डर - 120

कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट - 30

रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग मैकेनिक- 10

शैक्षणिक योग्यता

आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के लिए उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित ट्रेड में ग्रेजुएट (नॉन-इंजीनियरिंग) अप्रेंटिस के लिए नोटिफिकेशन में दो मासिक स्टाइपेंड राशियां दी गई हैं-

1. 14174 रुपये प्रतिमाह-कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर एप्लीकेशन, जियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, केमिस्ट्री और फार्मासिस्ट से संबंधित पदों के लिए।
2. 16678 रुपये प्रतिमाह-कॉमर्स, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और नर्सिंग से संबंधित पदों के लिए।

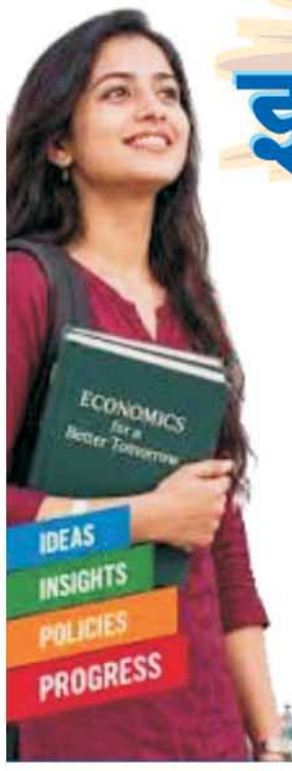
आवेदन कैसे करें?

आधिकारिक वेबसाइट nlcindia.in पर जाएं।

अर्थशास्त्र एक ऐसा विषय है जिसकी आम व्यवहार व जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों एवं अध्ययन के दूसरे विषयों में भी पैठ है। यह धन एवं व्यापार, उत्पादन एवं उपभोग, वितरण एवं विकास—यानी सभी की भाषा है। यहां तक कि कल्याण, व्यवहार, भाषा, उद्योग, संगीत और कला-सभी के अपने-अपने अर्थशास्त्र हैं। युद्ध और पॉवर (सत्ता) की भी अपनी-अपनी इकोनोमिक्स है।

हर सेक्टर में है इकॉनोमिक्स की डिमांड

इकॉनोमिक्स का फलक बहुत विशाल है। विश्व, देश, राज्य से लेकर परिवार के हर सदस्य के व्यवहार, भाषा, संगीत व कला के अपने-अपने अर्थशास्त्र हैं। जीवन की छोटी से बड़ी हर चीज में इकॉनोमिक्स है, इसीलिए आजकल प्लस टू के बाद बहुत से विद्यार्थी इकॉनोमिक्स की पढ़ाई की ओर रुख कर रहे हैं क्योंकि कोई ऐसा क्षेत्र नहीं



जहां इस विषय की खपत न हो।

अर्थशास्त्र एक ऐसा विषय है जिसकी आम व्यवहार व जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों एवं अध्ययन के दूसरे विषयों में भी पैठ है। यह धन एवं व्यापार, उत्पादन एवं उपभोग, वितरण एवं विकास—यानी सभी की भाषा है। यहां तक कि कल्याण, व्यवहार, भाषा, उद्योग, संगीत और कला-सभी के अपने-अपने अर्थशास्त्र हैं। युद्ध और पॉवर (सत्ता) की भी अपनी-अपनी इकोनोमिक्स है।

जहां भी विकल्प मौजूद है, वहां इकॉनोमिक्स कहीं न कहीं काम कर रही होती है।

विद्यार्थियों के लिए विकल्प

12वीं पास करने के बाद इकॉनोमिक्स में कई कोर्स उपलब्ध हैं। आप चाहे तीन वर्षीय स्नातक कोर्स करें अथवा सीधा पांच वर्षीय संयुक्त स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स।

बीए इकॉनोमिक्स - यह तीन साल का कोर्स है। इसमें अर्थशास्त्र के सिद्धांतों और नीतियों से छात्रों को अवगत करवाया जाता है। इसके बाद वित्तीय विश्लेषण, एकाउंटिंग जॉब व अध्यापन आदि किया जा सकता है। फिक्की व पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स की इकॉनोमिक्स स्नातकों के लिए वैकेंसी निकालता है। फाइनेंस के विद्यार्थियों के लिए आर्थिक मामले मंत्रालय में भी रिक्तियां तकरीबन हर साल निकलती हैं।

बीएससी इकॉनोमिक्स - यह कोर्स पूरा करने पर साइंस की डिग्री मिलती है। तीन साल की इस डिग्री के दौरान हर सेमेस्टर के बाद परीक्षा होती है। इसमें अर्थशास्त्र के क्षेत्र का प्रैक्टिकल अनुभव मिलता है। आर्थिक मुद्दों की समझ तथा उनको हल करने की दृष्टि भी बन जाती है।

इंटेग्रेटिड स्नातकोत्तर डिग्री -इकॉनोमिक्स में सीधे पांच वर्षीय स्नातकोत्तर करवाने वाले संस्थान कम ही हैं। आईआईटी मद्रास का ह्यूमेनिटीज व सोशल साइंस विभाग बारहवीं के बाद मेधावी छात्रों के लिए इकॉनोमिक्स, डिवेलपमेंट स्टडीज और अंग्रेजी तीन विषयों में इनोवेटिव प्रोग्राम ऑफर करता है। इस प्रोग्राम के आरंभ में विद्यार्थियों को सोशल साइंसेज का विस्तारपूर्वक अध्ययन करवाने के बाद उसे अपनी मर्जी से अपने विषय चुनने की आजादी रहती है। पहले दो साल तीनों विषयों की पढ़ाई होती है तथा तीसरे साल वह अपना प्रमुख विषय चुन उसी लाइन को पकड़ लेता है।

अतिरिक्त कोर्स

कई सालों से रेगुलर/मुख्य डिग्री के साथ कोई 'एडिशनल' कोर्स का चलन बढ़ा है। यह इकॉनोमिक्स जैसी मुख्यधारा की डिग्री करते वक्त साथ-साथ छमाही या वार्षिक डिप्लोमा-सर्टिफिकेट आदि उपलब्ध हैं। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में विद्यार्थी मुख्य विषय की पढ़ाई के साथ-साथ कोई भी एड-ऑन कोर्स चुन सकते हैं। डिग्री के साथ-साथ ही डिप्लोमा या एडवांस डिप्लोमा भी हो जाता है। यह विकल्प सभी तरह के संकायों के स्नातक कर रहे विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है। इकॉनोमिक्स की डिग्री करने के दौरान आपके लिए किस-किस तरह के कोर्स ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं जानिए-

इंश्योरेंस बिजनेस - इस कोर्स के दौरान अनिश्चित और रिस्क जैसी आर्थिक मुश्किलों से सुरक्षा, व्यक्तिगत जीवन बीमा, लाइफ इंश्योरेंस की प्रकृति व उपयोग, 'कोलेटरल', वित्तीय बिजनेस निरंतरता के मापक और इन्वेस्टमेंट के रूप में संपत्ति के रक्षक की भूमिका में बीमा का अध्ययन करवाया जाता है।

फॉरेन ट्रेड - इस कोर्स में विदेशी व्यापार के सिद्धांत व व्यवहार, व्यापार संतुलन तथा भुगतान संतुलन, व्यापार नीति के उद्देश्य, विकास में विदेशी व्यापार की भूमिका, व्यापार नीति के उपकरणों-टैरिफ, क्वांटिटेटिव विनिमय प्रतिबंधों, नियंत्रणों तथा विनिमय पर समन्वय आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थानों गैट, अंकटाड, आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक तथा ट्रेड ब्लाक व क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग आदि के बारे में बताया जाता है।

बैंक मैनेजमेंट - इस कोर्स में भारतीय बैंकिंग प्रणाली-व्यापारिक बैंकों, विकास बैंकों तथा वाणिज्यिक बैंकों की आधुनिक अर्थव्यवस्था में भूमिका जैसे टॉपिक शामिल होते हैं। इसके अलावा रिजर्व बैंक का रोल, मल्टीपल क्रेडिट क्रिएशन के स्रोत, प्रक्रिया, नियंत्रण तथा औजारों के अतिरिक्त लिक्विडिटी की बैंकिंग में भूमिका के बारे में जानकारी देते हैं।

ई-कॉमर्स व ई-बैंकिंग - इस सर्टिफिकेट कोर्स में इलैक्ट्रॉनिक कॉमर्स फ्रेमवर्क के बेसिक्स, टूल्स ऑफ ई-कॉमर्स, वेब बेस्ड बिजनेस की लैंड बेस्ड बिजनेस से तुलना, ई-कॉमर्स के विकास, डिजिटल सिग्नेचर व क्रिप्टोग्राफी पढ़ाए जाते हैं। ई-बैंकिंग कोर्स में भारत में ई-बैंकिंग, ई-डिलीवरी चैनल व कार्य जैसे एटीएम, क्रेडिट-डेबिट कार्ड, टेली बैंक व ई-फंड ट्रांसफर की जानकारी दी जाती है।

भविष्य यानी जॉब - इकॉनोमिक्स में स्नातक करने के बाद सरकारी व गैर-सरकारी दोनों तरह की नौकरियां मिल सकती हैं। इंडियन इकॉनोमिक सर्विस (आईईएस), रिजर्व बैंक, पीएसयू तथा सरकारी बैंकों में रिक्तियां हर साल विज्ञापित होती हैं। इसके अलावा यूपीएससी तथा सीडीएस के लिए भी अवसर हैं। एमएनसीज, प्रबंधक संस्थानों, शिक्षा के क्षेत्र तथा वित्तीय क्षेत्र में भी इकॉनोमिक्स के विद्यार्थियों के लिए नौकरियों की भरमार है।

IGNOU छात्रों के लिए दिसंबर परीक्षा के असाइनमेंट की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू



इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) ने दिसंबर 2026 की सत्रांत परीक्षा (TEE) के लिए पात्र विद्यार्थियों को ऑनलाइन असाइनमेंट जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन असाइनमेंट मैनेजमेंट सिस्टम (OAMS) शुरू किया है। ऑनलाइन माध्यम से असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है। इस संबंध में पूर्णिया कॉलेज पूर्णिया स्थित इग्नू शिक्षार्थी सहायता केंद्र (0508) के सहायक समन्वयक डॉ. सूरज सिंह ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने असाइनमेंट जमा कर दें। इससे अंतिम समय में तकनीकी समस्याओं या अन्य परेशानियों से बचा जा सकेगा।

ODL और ऑनलाइन कार्यक्रमों के पात्र विद्यार्थी उठा सकेंगे सुविधा का लाभ

डॉ. सिंह ने बताया कि यह सुविधा इग्नू के मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ODL) तथा ऑनलाइन कार्यक्रमों में नामांकित पात्र विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है। विद्यार्थी अपने IGNOU Samarth खाते में लॉगिन करके संबंधित पाठ्यक्रमों के असाइनमेंट ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस व्यवस्था से असाइनमेंट जमा करने की पुष्टि प्राप्त करने और मूल्यांकन की स्थिति जानने में भी मदद मिलेगी।

यूं जमा करें ऑनलाइन असाइनमेंट

ऑनलाइन असाइनमेंट जमा करने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले इग्नू के समर्थ पोर्टल पर जाना होगा। इसके बाद अपने लॉगिन आईडी और पासवर्ड की मदद से खाते में लॉगिन करना होगा। संबंधित विकल्प के माध्यम से पाठ्यक्रम का चयन कर विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुसार असाइनमेंट अपलोड करना होगा। इसके लिए IGNOU Samarth पोर्टल पर जाकर https://ignou.samarth.edu.in/inde&.php/site/login प्रक्रिया पूरी करें।

असाइनमेंट अपलोड करते समय इन बातों का रखें ध्यान

- असाइनमेंट के उत्तर हस्तलिखित होने चाहिए
- प्रत्येक पाठ्यक्रम के असाइनमेंट को स्कैन करके एक PDF फाइल में अपलोड करना होगा।
- प्रत्येक PDF फाइल का आकार 20 MB से अधिक नहीं होना चाहिए।
- असाइनमेंट के पहले पृष्ठ पर विद्यार्थी का नाम, नामांकन संख्या, अध्ययन केंद्र कोड और पाठ्यक्रम से संबंधित आवश्यक विवरण स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए।
- असाइनमेंट जमा करने से पहले संबंधित पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों की जांच कर लें।
- विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुसार, जिन विद्यार्थियों ने अपने असाइनमेंट पहले ही संबंधित अध्ययन केंद्र या क्षेत्रीय केंद्र में जमा कर दिए हैं, उन्हें उसी असाइनमेंट की सॉफ्ट कॉपी दोबारा अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है।

डॉ. सुरज सिंह ने विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते असाइनमेंट जमा करने की प्रक्रिया पूरी कर लें। उन्होंने कहा कि असाइनमेंट जमा करना परीक्षा प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए सभी पात्र विद्यार्थियों को निर्धारित प्रारूप और विश्वविद्यालय के नवीनतम दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए समय सीमा के भीतर अपने असाइनमेंट जमा करने चाहिए।

IIT BHU में शुरू होगा Physical AI का BTech

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के क्षेत्र में नया अवसर मिलने जा रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) बीएचयू में एकेडमिक ईयर 2027-28 से फिजिकल एआई (Physical AI) में चार वर्षीय बीटेक कोर्स शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए संस्थान में स्कूल ऑफ फिजिकल एआई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। इस कोर्स में छात्रों को रोबोटिक्स, सेंसर तकनीक, मशीनों के नियंत्रण और एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल की पढ़ाई कराई जाएगी। इस क्षेत्र में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन, कृषि, हेल्थ सेवाओं और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में करियर के अवसर मिल सकते हैं।



2027-28 से शुरू होगा नया बीटेक कोर्स

IIT बीएचयू में फिजिकल एआई की पढ़ाई शुरू करने की दिशा में काम शुरू हो गया है। संस्थान की सीनेट ने 17 अक्टूबर को स्कूल ऑफ फिजिकल एआई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसके संचालन और स्थापना की जिम्मेदारी संभालने के लिए निदेशक प्रो. अमित पात्रा की अगुवाई में आठ सदस्यीय समन्वय समिति बनाई गई है। इसके उपाध्यक्ष प्रो.राजेश कुमार होंगे।

शिक्षकों की टीम तैयार

इस नए स्कूल के लिए शिक्षकों की टीम भी तैयार की जा रही है। संस्थान के फैकल्टी मेंबर इस क्षेत्र में बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था विकसित करने के लिए पोलैंड, दक्षिण कोरिया सहित अन्य देशों के केंद्रों का दौरा कर रहे हैं।

क्या है Physical AI?

फिजिकल एआई, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ऐसा स्वरूप है, जिसमें कंप्यूटर बेस्ड तकनीक को वास्तविक दुनिया की मशीनों और डिवाइस से जोड़ा जाता है। इसमें रोबोट, सेंसर, कैमरे और मोटर जैसी तकनीकों की मदद से मशीनों को आसपास के एनवायरमेंट को समझने और उसके अनुसार काम करने योग्य बनाया जाता है। सामान्य एआई मुख्य रूप से डिजिटल जानकारी पर काम करता है, जबकि फिजिकल एआई का इस्तेमाल असल दुनिया में काम करने वाली मशीनों को स्मार्ट बनाने के लिए किया जाता है।

रोबोटिक्स और मशीन कंट्रोल पर जोर

चार वर्षीय बीटेक कोर्स का सिलेबस तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समितियां काम कर रही हैं। इसमें रोबोटिक्स, स्वायत्त प्रणालियों, सेंसर आधारित तकनीक, मशीनों के नियंत्रण और एआई के व्यावहारिक उपयोग को शामिल किया जाएगा। छात्रों को केवल प्रोग्रामिंग तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि मशीनों की डिजाइन, निर्माण, टेस्टिंग और वास्तविक समस्याओं को हल करने का एक्सपीरियंस भी दिया जाएगा।

करियर के अवसर

फिजिकल एआई की पढ़ाई के बाद छात्रों के लिए कई क्षेत्रों में काम करने की संभावनाएं बन सकती हैं। इनमें रोबोटिक्स इंजीनियरिंग, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, औद्योगिक ऑटोमेशन, कृषि तकनीक, स्वास्थ्य सेवाएं और स्पेस रिसर्च जैसे क्षेत्र शामिल हैं। हालांकि, नौकरी के अवसर छात्रों के स्किल, एक्सपर्टीज और इंडस्ट्री की मांग पर निर्भर करेंगे।

IIT BHU का पांचवां स्कूल होगा

स्कूल ऑफ फिजिकल एआई, IIT बीएचयू में स्थापित होने वाला पांचवां स्कूल होगा। इससे पहले संस्थान में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, बायोकेमिकल इंजीनियरिंग, डिसीजन साइंस और मैटेरियल साइंस से जुड़े स्कूल स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं, IIT खड़गपुर ने भी 26 अक्टूबर को बेंजामिन गुग्रा स्कूल ऑफ फिजिकल एआई स्थापित करने की घोषणा की है। इसके लिए 35 करोड़ रुपये की लागत निर्धारित की गई है।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 5 विषय अनिवार्य

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2028 में होने वाली कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए नए नियमों की जानकारी दी है। इसके तहत छात्रों को पांच अनिवार्य सब्जेक्ट्स की पढ़ाई करनी होगी। साथ ही, उन्हें एक अतिरिक्त स्किल सब्जेक्ट चुनने का विकल्प भी मिलेगा। इस विषय के नंबर मैथ, साइंस या सोशल साइंस में असफल होने की स्थिति में छात्रों के रिजल्ट सुधारने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा, बोर्ड ने कक्षा 9वीं और 10वीं में तीन भाषाओं की पढ़ाई अनिवार्य करने का फैसला किया है। नई व्यवस्था एकेडमिक ईयर 2026-27 में 9वीं में पढ़ने वाले छात्रों पर लागू होगी।

पांच विषय अनिवार्य

CBSE ने 2028 की 10वीं बोर्ड परीक्षा के लिए सब्जेक्ट्स से जुड़ी योजना स्पष्ट कर दी है। इसके अनुसार, छात्रों को पांच अनिवार्य विषयों की पढ़ाई करनी होगी। इसके अलावा वो एक अतिरिक्त स्किल सब्जेक्ट का चुनाव कर सकेंगे। इस विषय का उद्देश्य छात्रों को किताबी पढ़ाई के साथ प्रैक्टिकल स्किल सीखने का मौका देना है। स्किल सब्जेक्ट के नंबर मैथ्स, साइंस या सोशल साइंस में असफल होने की स्थिति में छात्रों के रिजल्ट में मदद कर सकते हैं। हालांकि, इसका लाभ बोर्ड के निर्धारित नियमों के अनुसार ही मिलेगा।

वोकेशनल एजुकेशन की पढ़ाई जरूरी

CBSE की डायरेक्टर (एकेडमिक्स) प्रज्ञा एम. सिंह के मुताबिक, 2028 में 10वीं की बोर्ड परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स के लिए वोकेशनल एजुकेशन अनिवार्य रहेगा। इसके लिए छात्र स्किल डेवलपमेंट से जुड़ा विषय या बोर्ड के 22 स्किल सब्जेक्ट्स में से कोई एक चुन सकते हैं।

असेसमेंट के लिए दो विकल्प मिलेंगे

स्टूडेंट्स को असेसमेंट के लिए दो विकल्प मिलेंगे। वो स्कूल में इंटरनल असेसमेंट दे सकते हैं या बोर्ड परीक्षा में शामिल होकर राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त स्किल सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं।

अब तीन भाषाओं की पढ़ाई करनी होगी



CBSE ने कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत छात्रों को तीन भाषाओं की पढ़ाई करनी होगी, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होना जरूरी है। इस बदलाव से दोनों कक्षाओं के लगभग 50 लाख स्टूडेंट प्रभावित होंगे। हालांकि, मौजूदा 10वीं कक्षा के छात्रों को इस साल तीसरी भाषा की परीक्षा नहीं देनी होगी।

जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप से हर महीने मिलेंगे 1 लाख रुपये



राइटिंग, पत्रकारिता, रिसर्च और नए विषयों पर स्टडी करने में इंटरेस्ट रखने वाले लोगों के लिए जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप एक अच्छा मौका है। जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड की ओर से दी जाने वाली इस फेलोशिप के तहत चयनित कैंडिडेट्स को दो साल तक हर महीने 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलती है। इसके लिए साइंस, ह्यूमैनिटीज समेत अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले एक्सपर्ट्स अप्लाई कर सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवारों को अपने रिसर्च या क्रिएटिव प्रोजेक्ट का प्रस्ताव तैयार करके निर्धारित पते पर आवेदन भेजना होगा।

क्या है जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप?

जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप की शुरुआत वर्ष 1968 में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की स्मृति में की गई थी। इसका उद्देश्य हायर एजुकेशन, स्वतंत्र विचारों और नई रिसर्च को प्रोत्साहित करना है। इस फेलोशिप के माध्यम से प्रतिभाशाली लोगों को अपने चुने हुए विषय पर काम करने और समाज से जुड़े जरूरी मुद्दों की स्टडी करने का मौका मिलता है।

कितनी बार आवेदन का मौका?

उम्मीदवार भारत में अपनी पसंद की जगह से अपने प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं। फेलोशिप के लिए साल में दो बार आवेदन का अवसर मिलता है। आवेदन की समयसीमा के अनुसार, पहला चरण 31 मई और दूसरा चरण 11 नवंबर तक होता है।

कौन कर सकता है आवेदन?

इस फेलोशिप के लिए साइंस, ह्यूमैनिटीज और अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले लोग अप्लाई कर सकते हैं। इसमें राइटिंग, पत्रकार, कलाकार और सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं। उम्मीदवारों में अपने क्षेत्र में अच्छा काम करने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही उन्हें प्रस्तावित रिसर्च या क्रिएटिव प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होना जरूरी है।

हर महीने मिलेंगे 1 लाख रुपये

जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप के तहत चयनित उम्मीदवारों को दो साल तक हर महीने 1,00,000 रुपये दिए जाते हैं। फंड की वेबसाइट के अनुसार, इस राशि को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(17) के तहत आयकर से छूट प्राप्त है। इसके अतिरिक्त यात्रा, सचिवीय सहायता और अन्य जरूरी खर्चों के लिए सालाना अधिकतम 75,000 रुपये तक की सहायता भी मिल सकती है।

कैसे होगा सेलेक्शन?

उम्मीदवारों का चयन अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों की समिति करती है। चयन के दौरान आवेदक की प्रतिभा, उसके पिछले काम की क्वालिटी और प्रस्तावित प्रोजेक्ट को पूरा करने की क्षमता का आकलन किया जाता है।

आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज

आवेदन के लिए कोई निर्धारित फॉर्म नहीं है। उम्मीदवारों को सादे कागज पर आवेदन तैयार करके ये डॉक्यूमेंट अटैच करने होंगे।

बायोडाटा- एजुकेशनल क्वालिफिकेशन और अब तक किए गए काम की जानकारी।

वर्क एक्सपीरियंस- संबंधित क्षेत्र में किए गए काम की डिटेल।

प्रोजेक्ट का सारांश-प्रस्तावित विषय पर अधिकतम 1,000 शब्दों में डबल स्पेसिंग के साथ टाइप की गई जानकारी।

पासपोर्ट साइज फोटो- हाल की फोटो की कॉपी।

कहां भेजें आवेदन?

इच्छुक उम्मीदवार जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड की आधिकारिक वेबसाइट jnmf.in पर जाकर आवेदन से जुड़े निर्देश पढ़ सकते हैं। सभी जरूरी दस्तावेज तैयार करने के बाद आवेदन डाक से इस पते पर भेजना होगा-

सचिव, जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड, तीन मूर्ति हाउस, नई दिल्ली-110001।

समसामयिक प्रश्नोत्तरी

1. ओस्कर क्लेन मेडल 2026 पाने वाले पहले भारतीय भौतिक विज्ञानी कौन बने?
अ. डॉ. जयंत नारलिकर
ब. प्रोफेसर अशोक सेन
स. इगोर आर. क्लेबानो
द. प्रोफेसर दीपक धर

2. असम सरकार ने पहला 'भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका नेशनल अवॉर्ड' किसे देने की घोषणा की?
अ. उषा मंगेशकर
ब. आशा भोसले
स. अनुराधा पौडवाल
द. अलका याज्ञनिक

3. इसरो के किस संस्थान ने स्वदेशी रुबिडियम एटॉमिक क्लॉक विकसित किया, जिसे NVS-03 सैटेलाइट में लगाया गया?
अ. विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC)
ब. इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (ISTRAC)
स. विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC)
द. स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (SAC)

4. एशियाई पैरा गेम्स 2026 में पदक तालिका में भारत का स्थान बताइए?
अ. 1 ब. 2
स. 3 द. 4

5. एशियाई पैरा गेम्स 2026 के उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक कौन थे?
अ. मोना अग्रवाल और निषाद कुमार
ब. प्रमोद भगत और सिमरन शर्मा
स. कपिल परमार और सृष्टि अरोड़ा
द. इनमें से कोई नहीं

उत्तर

1- ब. प्रोफेसर अशोक सेन, 2- अ. उषा मंगेशकर, 3- द. स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (SAC), 4- द. 4 (भारत को 30 गोल्ड, 35 सिल्वर, 49 ब्रॉन्ज सहित कुल 114 पदक), 5- ब. प्रमोद भगत और सिमरन शर्मा